रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि पहुंचे...धुरियापार और भीटी रावत में देखी फैक्टरी के लिए जमीन

गीडा प्रशासन ने दिखाई जमीन, गोरक्षनगरी में एफएमसीजी फैक्टरी लगाएगा समूह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गोरक्षनगरी में एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) फैक्टरी लगाने के इच्छुक रिलायंस समूह के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को गीडा प्रशासन के अधिकारियों के साथ धुरियापार और भीटी रावत क्षेत्र में जमीन का निरीक्षण किया। अब कंपनी प्रबंधन जगह तय करने के बाद आवंटन के लिए डीपीआर के साथ आवेदन करेगा।

रिलायंस समूह ने घरेलू उपयोग के सामान बनाने की फैक्टरी के लिए लगभग 120 एकड़ जमीन की मांग की है। गीडा प्रशासन की ओर से उन्हें धुरियापार और भीटी रावत इलाके में जमीन दिखाई गई। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य यहां बड़े स्तर पर उत्पादन इकाई स्थापित करना है जिससे रोजगार के नए अवसर खुलेंगे और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

रिलायंस समूह गीडा क्षेत्र में फैक्टरी लगाने के लिए इच्छुक है। कंपनी के दो अफसर गोरखपुर आए थे जिन्हें उपयुक्त जमीन दिखा दी गई है। गीडा के पास पर्याप्त औद्योगिक भूमि है। अब वे डीपीआर के साथ आवेदन करें तो आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। - **अनुज मलिक,** सीईओ, गीडा

बदल रहा है गोरखपुर

तैयारियां तेज... नगर निगम दिवाली तक लॉन्च करेगा 100 करोड़ रुपये का बॉन्ड

__गोरखपुर।__ लखनऊ और वाराणसी नगर निगम की तर्ज पर अब गोरखपुर नगर निगम भी 100 करोड़ रुपये का बॉन्ड जारी करने जा रहा है। नगर निगम ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में पंजीकरण कराने के लिए यह फैसला लिया है। दिवाली तक बॉन्ड जारी करने के उद्देश्य के साथ नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बॉन्ड की बिक्री करने वाले बैंक का चयन भी जल्दी कर लिया जाएगा। सेबी में पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दिल्ली के कंसलटेंट अनुराग अरुण को नियुक्त किया गया है। इन्हीं की देखरेख में लखनऊ और वाराणसी नगर निगमों के बॉन्ड का रजिस्ट्रेशन हुआ था। निगम की योजना है कि बॉन्ड खरीदने वालों को विभिन्न प्रकार के नगर निगम टैक्स, जलकल विभाग की आय और प्रस्तावित कॉमर्शियल बिल्डिंग से होने वाली आमदनी के आधार पर लाभांश (डिविडेंड) दिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम को टैक्स और अन्य मदों से 120 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड आय हुई थी। नगर निगम क्षेत्र के विस्तार और नए आवास दायरे में आने से आने वाले समय में आय और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही नगर निगम गोलघर स्थित पुरानी जलकल बिल्डिंग को ध्वस्त कर एक भव्य कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम कर रहा है। ब्यूरो